THE CONSTITUTION OF INDIA
PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India to a SOVEREIGN SOCIALIST DEMOCRATIC REPUBLIC and to secure to all its citizens :
JUSTICE, social, economic and political;
LIBERTY of thought, expression, belief and worship;
EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all;
FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;
IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do HEREBY ADOPT ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.

THE CONSTITUTION OF INDIA
CHAPTER IV A — FUNDAMENTAL DUTIES

ARTICLE 51 A

Fundamental Duties — It shall be the duty of every citizen of India :

(a) To abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;
(b) To cherish and fellow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;
(c) To uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;
(d) To defend the country and render national service when called upon to do so;
(e) To promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;
(f) To value and preserve the rich heritage of our composite culture;
(g) To protect and improve the natural environment including forests, lakes, river, wild life and to have compassion for living creatures;
(h) To develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;
(i) To safeguard public property and to adjure violence;
(j) To strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievements.

छात्र प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। / हम सब भारतवासी / भाई-बहन हैं। / हमें अपना देश / प्राणों से भी प्यारा है। / इसकी समृद्धि / और विविध संस्कृति पर / हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का / प्रयत्न सदा करते रहेंगे। / हम अपने माता-पिता, / शिक्षकों / एवं गुरुजनों का / सदा आदर करेंगे / और सबके साथ शिष्टता का / व्यवहार करेंगे। / हम अपने देश और देशवासियों के प्रति / वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। / उनके कल्याण और समृद्धि में ही / हमारा सुख निहित है।

।। जय हिन्द ।।

छात्र प्रतिज्ञा

भारतम् अस्माकं देशः / वयं सर्वे भारतीयाः / परस्परं भ्रातरो भगिन्यश्च / अस्माकं देशः / प्राणेभ्योऽपि प्रियतरः / अस्य समृद्धौ विविधसंस्कृतौ च / वयं गौरवम् अनुभवामः / वयम् अस्याः / सुयोग्याः अधिकारिणो भवितुं / सदा प्रयत्नाः करिष्यायः / वयं स्वमातापित्रोः / शिक्षकाणां / गुरुजनानां च / सदैव आदरं करिष्यामः / तथा सर्वैश्च सह / शिष्टतया व्यवहारं करिष्यामः / वयम् स्वदेशं देशवासिनश्च प्रति / विश्वासभाजः भवितुं / प्रतिज्ञा कुर्मः / तेषां कल्याणं समृद्धो च / अस्माकं सुखं / निहितम् अस्ति।

।। जयतु भारतम् ।।

STUDENT'S PLEDGE

India is my country / and all Indians are / my brothers and sisters. / I love my country / and I am proud of / its rich and varied heritages. / I shall always / strive to be / worthy of it./ I shall pay respect / to my parents / teachers / class-mates / and all elders / and treat everyone / with courtesy. / To my country / and my people / I pledge my devotion. / In their well being / and prosperity alone / lies my happiness.

।। JAI HIND ।।

"The most important thing is not to stop questioning"

के.वि.सं. स्थापना दिवस
15 दिसम्बर संकल्प

हम, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के सदस्य, भारत को एक सुदृढ़ और समृद्ध राष्ट्र बनाने हेतु निस्वार्थ भाव से कार्य की शपथ लेते हैं। देश को उन्नति के चरम शिखर पर प्रतिष्ठित करने के लिए हम सत्यनिष्ठा से अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे। अपने कार्यों एवं सेवाभाव द्वारा देशवासियों के हृदय में देशभक्ति तथा सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के प्रति श्रद्धा भाव उत्पन्न करने की शपथ लेते हैं। आज केन्द्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस पर हम देश और देशवासियों के विकास और उत्थान हेतु संपूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने का दृढ़ संकल्प करते हैं।

KVS FOUNDATION DAY
15th DECEMBER PLEDGE

We, the members of Kendriya Vidyalaya Sangathan, solemnly pledge to work selflessly towards making India a strong and prosperous nation; we shall discharge our duties conscientiously to take our country to greater heights of sparkling achievements. We pledge to inculcate patriotism as well as cultural and ethical values among our countrymen through our services and actions. On KVS Foundation Day, today, we commit ourselves with dedication and devotion towards the betterment and development of our country and countrymen.

"Adversity introduces a man to himself"

विद्यालय प्रार्थना

ॐ असतो मा सद्गमय !

ॐ तमसो मा ज्योतिर्गमय !!

ॐ मृत्योर्मा अमृतम् गमय !!!

दया कर दान विद्या का हमें परमात्मा देना,

दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।

अंधेरे दिल में आ करके, परम ज्योति जगा देना।

दया कर दान ..... ।

बहा दो ज्ञान की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।

हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सिखा देना।

दया कर दान .....

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा।

सदा ईमान हो सेवा व सेवक जन बना देना।

दया कर दान .....

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।

वतन पर जाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।

दया कर दान .....

दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।

ॐ सहनाववतु, सहनौ भुनक्तु सहवीर्य करवावहै।

तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।

ॐ शांतिः ! शांतिः ! शांतिः !!!!

"The fruit of labor are sweeter than gifts of fortune"

संस्कृत प्रार्थना

ॐ असतो मा सद्गमय !

ॐ तमसो मा ज्योतिर्गमय !!

ॐ मृत्योर्मा अमृतम् गमय !!!

दयां कृत्वा प्रभो! विद्या हि अस्मभ्यं सदा देया,
सदास्माकं हि चित्तेषु दयस्व, शुद्धता नेया।
प्रभो ! आयातु नः ध्याने वसतु नेत्रेषु अस्माकम्,
तमोयुक्तेषु हृदयेषु परा आभा समादेया। दयां कृत्वा .....
प्रवाहय प्रेमगंगा चोदधिं स्नेहस्य हृदयेषु,
मिथः सम्मिल्य वासस्य प्रभो शिक्षा सदा देया। दयां कृत्वा .....
सदा नः कर्म सेवा स्यात्, सदा नः धर्म सेवा स्यात्,
सदाशीलं हि सेवा स्यात् परानिष्ठा समादेया। दयां कृत्वा .....
भवेन्मे जीवनं भगवन् तथा मरणं हि देशाय
तदर्थं जीवनत्यागः प्रभो शिक्षा इयं देया ॥ दयां कृत्वा .....

ॐ सहनाववतु, सहनौ भुनक्तु सहवीर्यम् करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै।
ॐ शांतिः ! शांतिः ! शांतिः !!!!

हे पूर्ण ब्रह्मपरमात्मन् ! हम दोनों (गुरु-शिष्य) की साथ-साथ रक्षा करें। हम दोनों का साथ-साथ पालन करें। हम दोनों साथ-साथ ही शक्ति प्राप्त करें। हम दोनों की पढ़ी हुई विद्या तेजोमयी हो। हम दोनों परस्पर द्वेष न करें। हे परमात्मन् ! हमारे तीनों तापों की निवृत्ति हो। परब्रह्म शान्ति स्वरूप है! शान्तिस्वरूप है! शान्तिस्वरूप है!

"Beauty strikes the sight, while merit wins the soul"

हर देश में तू

हर देश में तू हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है
तेरी रंग भूमि यह विश्व धरा
सब खेल में मेल में तू ही तू है।
सागर से उठा बादल बन के
बादल से फूटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदिया गहरी।
तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है ॥
चींटी से भी अणु परमाणु बना,
सब जीव जगत का रूप लिया।
कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बना,
सौन्दर्य तेरा तू एक ही है ॥

अणुव्रत-गीत

नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो।
संयममय जीवन हो।
अपने से अपना अनुशासन अणुव्रत की परिभाषा।
वर्ण-जाति या संप्रदाय से मुक्त धर्म की भाषा।
छोटे-छोटे संकल्पों से मानव-परिवर्तन हो ॥
संयममय जीवन हो ॥१॥
विद्यार्थी या शिक्षक हों, मजदूर और व्यापारी।
नर व नारी बने नीतिमयख जीवन-चर्या सारी।
कथनी-करनी ही समानता में गतिशील चरण हो ॥
संयममय जीवन हो ॥२॥
सुधरे व्यक्ति समाज, व्यक्ति से राष्ट्र स्वयं सुधरेगा।
तुलसी अणुव्रत सिंह-नाद, सारे जग में पसरेगा।
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो ॥
संयममय जीवन हो ॥३॥

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे, भारत-भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा, द्रविण उत्कल बंग।
विंध्य हिमाचल, यमुना गंगा, उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशीष माँगे।
गाहे तव जय गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे, भारत भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे।

"The best way to predict the future is to create it"

संगठन सूक्त

ॐ संगच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनासि जानताम्।
देवा भागं यथा पूर्वे, संजानाना उपासते ॥
समानीव आकूतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलिस्तां हमारा।
पर्वत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमां का।
वो संतरी हमारा, वो पासवाँ हमारा।
सारे .....

गोदी में खेलती हैं, जिसकी हजारों नदियाँ।
गुलशन है जिसके दम से, रश्के जिना हमारा ॥
सारे .....

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिन्दी हैं हम, वतन है, हिन्दोस्तां हमारा ॥

"Today is reader, tomorrow is leader"

जय जन भारत .....

जय जन भारत जन मत अभिमत जनगण तंत्र विधाता।
जनगण तंत्र विधाता ॥
गौरव भाल हिमाचल उज्ज्वल, हृदय हार गंगा जल
कटि विन्ध्याचल, सिंधु चरणतल, महिमा शाश्वत गाता।
जय जन भारत .....
हरे खेत लहरे नद निर्झर, जीवन शोभा उर्वर
विश्व कर्म रत, कोटि बाहुकर, अगणित पद ध्रुव पथ पर ॥
जय जन भारत .....
प्रथम सभ्यता ज्ञाता, साम ध्वनित गुण गाता
जय नव मानवता निर्माता, सत्य अहिंसा दाता
जय हे, जय हे, जय हे, शान्ति अधिष्ठाता।
जय जन भारत .....
जन गण तंत्र विधाता, जन गण तंत्र विधाता .....

संस्कृत गीत सरस्वती वंदना

जय जय हे भगवति सुर भारति, तव चरणौ प्रणामामः।
नाद ब्रह्ममयी हे बागेश्वरि, शरणं ते गच्छामः।
त्वमसि शरण्या त्रिभुवन धन्या, सुर मुनि वंदित चरणा।
नव रस मधुरा कविता मुखरा, स्मित रुचि रुचिरा भरणा।
जय जय .....
आसीना भव मानस हंसे, कुंद तुहिन शशि धवले।
हर जड़तां कुरु बोधि विकास, स्थित पंकज तनु विमले।
जय जय .....
ललित कलामयि ज्ञान विभामयि, वीणा पुस्तक धारिणी।
मातरस्ताम् तव पद कमले, अयि कुंठा विषहारिणी ॥
जय जय .....

"I believe that every person is born with talent"

पंजाबी गीत

असी देश दी चढ़दी लाली
रूत्तों रूत्त बहारां
हर दिन दियां नुहारां नवियां
नवियां मौच मल्हारां ॥
असी देश दी ....

1. मटक हुलारे पोट्टे-पोट्टे
चौकड़िया पर देहर नोहे
नचदियाँ टपदियाँ डाराँ ॥
असी देश ही

2. ओ आई सखियाँ दि टोली
ओ आई मितरांदि टोली
हर कोई बोले प्यारी बोली
गुटकण जिवें गुटाराँ ॥
असी देश दी

3. असिहाँ कुल दुनियां दे सांझे
मैले मन नफरत तों बाँझे
गबरु ते मुटियारां ॥
असी देश दी

4. दुनियां भरदे दिलनूं मोईहीये
दुनियां दे सेहरे विच सोईहीये
ज्यूं सोने दिया तारा ॥
असी देश दी चढ़दी

मराठी गीत

आता उठबू सोर रान आता पेटबू सारे रान
रोतकरयांच्या राजा साठी लाऊ पणाला प्राण
किसान मजदूर उठतीत कस्बर लढण्या कसतील
एक जूटींची मशाल घेऊन पेटवतील हे रात।

कोणा आम्हा अडबिल कोणा आम्हा रड़बिल,
अडवरधूक करणार्यांची उड़बू दाणा दाणा
शेतकरांची फौज निघे हतात त्यांच्या बेड़ी पड़े,
तिरंगे झंडे घेंती याती स्वात्त त्यांचे गान
पढ़ननाराहू आता खाऊना आता लाया
शेत करी कामकरी मांड़ण्यार ही दाण।

आता उठबू ....

आता उठबू ....

"Always desire to learn something useful"

समूह गीत

हम होंगे कामयाब-३ एक दिन - ऽ ऽ
हो हो मन में है विश्वास पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब एक दिन - ऽ ऽ
होगी शान्ति चारों ओर-३ एक दिन,
हो हो मन में .....
होगी शान्ति .....
हम चलेंगे साथ-साथ, डाल हाथों में हाथ
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन - ऽ ऽ
हो हो मन में है विश्वास .....
हम चलेंगे साथ .....
नहीं डर किसी का आज,
नहीं भय किसी का आज,
नहीं डर किसी का आज के दिन - ऽ ऽ
हो हो मन में है विश्वास .....
नहीं डर किसी .....
हम होंगे .....

गुजराती गीत

आकाशगंगा सूर्य चन्द्र तारा,
संध्या ऊषा कोई ना नवीं।
कोनी भूमि, कोनी नदी, कोनी सागर धारा,
भेद केवल शब्द, आमारा ने तमारा।
एक हास्य, एक रुदन, आश एक निराशा,
एक मानव उर्मी, पण भिन्न भाषा।
मेघधनु अन्दर ना होय कदी जंगी,
सुन्दरता काज बन्या विविध रंगी।

राष्ट्र ध्वज गीत

विजय विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा रहे हमारा।
सदा शक्ति बरसाने वाला,
प्रेम सुधा बरसाने वाला।
वीरों को हर्षाने वाला,
मातृभूमि का तन मन सारा।
विजय विश्व तिरंगा प्यारा .....
स्वतन्त्रता के भीषण रण में,
लड़कर बड़े जोश क्षण-क्षण में।
काँपे शत्रु देखकर मन में,
मिट जाये भय संकट सारा।
विजय विश्व तिरंगा प्यारा .....
इस झंडे के नीचे निर्भय,
ले स्वराज्य यह अभिचल निश्चल।
बोलो भारत माता की जय,
स्वतन्त्रता हो ध्येय हमारा।
विजय विश्व तिरंगा प्यारा .....
आओ प्यारे वीरों आओ,
देश धर्म पर बलि बलि जाओ।
एक साथ सब मिलकर गाओ,
प्यारा भारत देश हमारा।
विजय विश्व तिरंगा प्यारा .....
शान न इसकी जाने पाये,
चाहे जान भले ही जाये।
विश्व विजय करके दिखलाये,
तब होवे प्रण पूर्ण हमारा।
विजय विश्व तिरंगा प्यारा .....

केन्द्रीय विद्यालय गीत

भारत का स्वर्णिम गौरव केन्द्रीय विद्यालय लाएगा।
तक्षशिला, नालन्दा का इतिहास लौटकर आयेगा ॥
शिक्षा उपवन के नये फूल, संस्कृति सरिता के नये कूल।
हम ज्योति दीप जागृत प्रबुद्ध, हट जाओ तम के धूल-शूल ॥
"तमसो मा ज्योतिर्गमय" यह मंत्र विश्व में छायेगा। भारत .....
तन अनेक पर एक प्राण, स्वर अनेक पर एक गान।
हम कण-कण पर छा जायेंगे, बनकर भारत का स्वाभिमान ॥
'तत् त्वं पूषण् अपावृणु' का छन्द ज्योति बरसायेगा। भारत .....

राष्ट्र गीत

वन्दे मातरम् वन्दे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयजशीतलाम्।
शस्य श्यामलाम्, मातरम्
वन्दे मातरम् .....

शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वन्दे मातरम् .....

योग गीत

हम हैं छोटे जीव जगत के,
ब्रह्म रूप भी हमारा है,
मस्त रहे अपने में खोकर,
निर्मल मन चित्त सारा है।
अलग अलग सत्ता से हटकर,
एक जुट हो जाते हैं,
झूम-झूम कर मन्त्र यही,
एकता का गाते हैं,
घूम-घूम कर शीष झुकाकर,
चरणों में जग सारा है।
अपनी भुजाओं में आकाश,
भी हम धारण करते हैं,
कंधों से होठों तक लेकर,
सारी विपदा हरते हैं,
कसी कमर है पाँव जमे हैं,
हिम्मत कभी न हारे हैं।

"The difference between ordinary and extraordinary is that little extra"

बंगाली गीत

धन्ना धान्ये पुष्पे भोरा, आमा देरगई बोशन्धोरा,
ताहार माझे आछे देशेक, शोकील देशेर शेरा।
ओशे शोप्रो दिये वोयोरी शे देश सृति दिये धरा,
एमोन देशटी कोथावो खजे पावे नाको तुमी।
ओशे खोकेल देशेर रानी शेजे आमार जौन्मो भूमि,
शेजे आमार जौन्मो भूमि .....

चौन्द्रो शूरजो गृहो तारा, कोथाय उजोल ऐमोनधारा,
कोथाय ऐमोन थैले तोड़ित ऐमोन कालो मेघे।
तारा पाखर डाके धुमिये ओठै पाखर डाके जेके,
एमोन देशटि .....

ऐतो सिनग्धो नोदि काहार, कोथाय ऐमोन धूम्रौ पहाड़।
कोथाय ऐमोन हीरित्र खेत्रो आकाश तोल मेसे।
एमोन धानेर और ढेबुँ खेले जाय बाताश काहार देशे।
एमोन देशटि .....

पुष्पे-पुष्पे भौंरा शामो कुँजे-कुँजे गाये पाखो,
गुजोरिया आशे ओली पुँजे-पुँजे धेय।
तारा फुलेर मोर धुमिये पौरे फुलेर मधु खेय
एमोन देशटि .....

मायेर मायेर एतौ स्त्रेहो कोथाय गेले पाये केही,
ओ मां तोमार चौरोन दुटि बौखे आमार धोरि।
आमार एई देशेते जौन्मौ जैनो एई देशेतेई मोरी।
एमोन देशटि .....

"Seeting goals is the first step in turning the invisible into the visible"

मलयालम गीत

जन्मकारिणी भारतम् कर्म मोदिनी भारतम्
नन्मलाम जनकोडितम अम्मयागिय भारतम्।
जन्मकारिणी ....
तलइल मन्जणि सामल चूड़िय तंगकिरीपडवृध,
उडलिल शस्य श्यामल शाधबल कोमल कन्जुगुबम्।
कतुत्तिल नाना नदिगल चात्तय पन्यणि मालयलम,
कागुण काणग जन्म भूंबिन कोमल मलरमेनी।
जन्मकारिणी ....
नाना भाषगलामृतम पोलियम नवुम पुंजिरियम,
नाना देशकरडै नाना बशतिन्नोलियुम।
वीरपुरादान संस्कारलिान वेरोडुम प्रण्णम
पाटिल शांति वलत्तुम वृत्तियुम अम्मदन नेट्टम।
जन्मकारिणी ....

तेलूगु गीत

पिल्लल्लारा-पापल्लारा, रेपटि भारत पौरुल्लारा
पेद्दलके ओक दारिनी चुपे पित्रल्लारा पिल्लल्लारा
मी कुन्नुल्लो देवडु उन्नाडु-उन्नाडु पौयुन्नाडु।
मी मनसुल्लो देवुडु उन्नाडु उन्नाडु अन्तउन्नाडु
भारत मातुक मुद्दुल पापलु-मीरेले, मीरेल्लोमीरेले
अम्मुक मीपे अन्तेलेनि प्रेमेले–
पिल्लारा-पापल्लारा ....
भारत देशम ओकटे इल्लु भारत मातुक (मीरे कल्ल)
जातिपताकुम पैकेमरेसि जाति गौरवम कापार्डिड।
बडिलो बयट्टा अन्ता कलिसि, भारतीयुले मेलगांडि।
कन्याकुमारिकी काश्मीरानिकी अन्योन्यतनु पेन्पंडि
पिल्लल्लारा-पापल्लारा ....

"Zeal without knowledge is fire without light"

ALL FAITH PRAYER

1. सर्व धर्म प्रार्थना

प्रातः स्मरामि हृदि संस्फुरद् आत्म-तत्वम्,
सत् चिद्-सुखं परमंहस गतिम् तुरीयम ॥
यत् स्वप्न जागर सुषुप्तम् अवैति नित्यम्,
तद्ब्रह्म निष्कल्महं न च भूतसंघः ॥
प्रातरः भजामि मनसो वचसाम् अगम्यम्,
वाचो विभान्ति निखिला यद् अनुग्रहेण ॥
प्रातरः नमामि तमसः परम् अर्कवर्णम्,
पूर्णम् सनातन-पदं पुरुषोत्तमारव्यम् ॥
यस्मिन् इदं-जगद् अशेषम् अशेष-मूर्ती,
रज्जवां भुजंगम् इव प्रतिभासितं वै ॥

2. सरस्वती वंदना

या कुन्देन्दुतुषसारहारघवला या शुभ्रवस्त्रवृता
या वीणावरदण्डमडडितकरा या श्वेतपद्मासना।
या ब्रह्माच्युतयशंकर प्रभुतिभिदेवैः सदा वन्दिता
सा मां पातु सरस्वती भगवती निः शेषजाड्यापहा।

3. गुरु वंदना

गुर्रु ब्रह्मा गुर्रु विष्णु गुर्रु देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परंब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः ॥

4. रघुपति राघव

रघुपति राघव राजा राम
पतित पावन सीता राम
सीता राम सीता राम
भज प्यारे तू सीता राम
ईश्वर अल्लाह तेरो नाम
सबको सन्मति दे भगवान्।

जय बोलो

जय बोलो सत धार्मो की जय बोलो सत कर्मो की।
जय बोलो मानवता की जय बोलो सब जनता की ॥१॥
पिछड़ी कोई न जाति हो सबसे सबकी प्रीति हो।
पिछड़ी कोई न जाति हो सबसे सबकी प्रीति हो ॥
देश धार्म से नीति हो हम सबके ही साथी हो।
देश धार्म से नीति हो हम सबके ही साथी हो ॥
हम सब कष्ट उठायेंगे सब मिलकर सुख पायेंगे।
हम सब कष्ट उठायेंगे सब मिलकर सुख पायेंगे ॥
सब मिल प्रभु गुण गायेंगे सत का यश फैलायेंगे।
सब मिल प्रभु गुण गायेंगे सत का यश फैलायेंगे ॥
जय बोलो सत धार्मो की जय बोलो सत कर्मो की।
जय बोलो मानवता की जय बोलो सब जनता की ॥२॥
जय बोलो सब जनता की

सभी धार्मो की प्रार्थना (बौद्ध, ईसाई, हिन्दु, जैन, मुस्लिम, सिक्ख आदि)

शांति पाठ

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुखः भाग्भवेत् ॥
ओऽम शान्तिः, शान्तिः, शान्तिः ॥

ENGLISH SONG

We shall overcome, we shall overcome,

We shall overcome some day

Oh – O deep in our hearts, we do believe that

We shall overcome some day.

We shall live in peace, we shall live in peace,

We shall live in peace some day

Oh – O deep in our hearts, we do believe that

We shall live in peace, some day.

We'll walk hand in hand, we'll walk hand in hand,

We'll walk hand in hand some day.

Oh – O deep in our hearts, we do believe that

We'll walk hand in hand, some day.

We are not afraid, we are not afraid,

We are not afraid today,

Oh – O deep in our hearts we do believe that

We are not afraid today.

ENDORSEMENT

I have read all the rules and regulations of the school laid down in this diary and I am happy to co-operate with the Vidyalaya to see that the rules framed in the interest of my ward studying in Class _____ and Section _____ are followed in letter and spirit. I shall make regular check of my ward's calendar and will take necessary remedial steps.

SPECIMEN SIGNATURE **Parent's / Guardian's Signature**

Father		**Photo**
Mother		**Photo**
Local Guardian (if any)		**Photo**
Pupil		**Photo**

"Politeness is the flower of humanity"

अभिभावकों के लिए

1. अपने बच्चे की अच्छी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नवत् सहयोग दें–
   (क) घर में पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल बनाएँ।
   (ख) गृह-कार्य करने में बच्चे का मार्गदर्शन करें।
   (ग) उपयुक्त स्कूल-पोशाक, पाठ्य पुस्तक और अभ्यास-पुस्तिका उपलब्ध कराएँ।
   (घ) शुल्क (फीस) निश्चित दिन में ही समय पर जमा करें।
2. विद्यार्थी दैनन्दिनी देखकर सुनिश्चित करें कि बच्चा नियमित रूप से गृह-कार्य करता है।
3. दैनन्दिनी में दी गई टिप्पणियों को प्रतिहस्ताक्षरित करें।
4. विद्यालय सदैव आपका स्वागत करता है किन्तु कक्षा में आपकी उपस्थिति व्यवधान उत्पन्न कर सकती है अतः स्टाफ रूम में शिक्षकों से सम्पर्क करें।
5. बच्चे की अनुपस्थिति (छुट्टी) से पहले अवकाश मंजूर कराएँ तथा आधे दिन की छुट्टी न माँगे।
6. सुनिश्चित करें कि आपका बच्चा साफ-सुथरी पोशाक में नियमित ढंग से स्कूल आएँ।
7. बच्चे को स्कूल न भेजें अगर उसे संक्रामक (छुआ-छूत) की बीमारी है।
8. सुनिश्चित करें कि बच्चे का स्कूल आना-जाना सुरक्षित एवं समय की पाबंदी से हो।
9. अभिभावक-शिक्षक सभा में अवश्य उपस्थित हों।
10. संचार के लिए पूर्ण आवासीय एवं कार्यालयी पता फोन नंबर सहित अवश्य दें।
11. ध्यान रखें कि बच्चा पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग ले।

प्रिय अभिभावकों ! बच्चे हमसे सीखते हैं। अतः हमें अनुकरणीय बनना होगा।

प्राचार्य

"Without hard work, nothing grows but weeds"

विद्यार्थियों के कर्त्तव्य

1. ज्ञान का अर्जन करें। शिक्षित और शिष्ट नागरिक बनें।
2. सभी विषयों की तैयारी समय पर करें। कक्षा कार्य, गृहकार्य पर ध्यान दें तथा इसकी जानकारी अपने माता-पिता को भी दें।
3. देश प्रेम के प्रति गहन आस्था रखें, विद्यालय एवं परिवार के प्रति जिम्मेदार बनें।
4. आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाने वाली अभद्र भाषा, व्यवहार और कार्य को त्याग दें।
5. कक्षा में समय पर पहुँचें, पढ़ें। अति आवश्यक हो तो ही अध्यापक से पूछकर ही कक्षा से बाहर जाएँ अन्यथा नहीं।
6. सदैव साफ और स्वच्छ स्कूल ड्रेस पहनें।
7. सभी के साथ प्रेम व सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार करें। प्राचार्य, अध्यापक एवं अपने से बड़ों का सम्मान करें।
8. बूढ़े, कमजोर, बीमार व्यक्तियों तथा छोटे बच्चों की सदा मदद करें।
9. अपना आई कार्ड, स्कूल डायरी, रिपोर्ट कार्ड की उपयोगिता समझें। संभाल कर रखें। पूछने पर प्रस्तुत करें।
10. दूसरों को उनके अच्छे कार्यों से पहचानना चाहिए न कि बाहरी सुन्दरता से क्योंकि अच्छा कार्य और व्यवहार ही व्यक्ति की सही पहचान है।
11. स्कूल प्रांगण, कक्षा और अपने घर को साफ और सुन्दर बनाने में अपना सहयोग दें।
12. आलस्य का त्याग करें, समय पर काम करने की आदत डालें।
13. अपना पाठ स्वयं पढ़ें, कठिनाइयाँ जानें तथा अध्यापक से समाधान पूछें।
14. प्राचार्य, अध्यापक एवं माता-पिता की आज्ञा का पालन करें।
15. अपने विद्यालय, घर व अपने सामान की देखभाल करें।
16. विद्यालय में पंक्तिबद्ध लाइन में ही जाएँ, सदा बाईं तरफ चलें।
17. उज्ज्वल भविष्य के लिए आज से ही परिश्रम करें।
18. अपना लक्ष्य निर्धारित करें, उसे पाने के लिए परिश्रम करें।
19. किसी भी बुरे व्यक्ति, बात या धारणा के आगे न झुकें।
20. अपनी भाषा, व्यवहार, विचार एवं कार्यों पर काबू रखें जिससे आप पर कोई अंगुली न उठे।
21. सभी बुरी बातों से बचें। न बुरा देखो, न बुरा सुनो, न बुरा बोलो।

"The surest way not to fail is to determine to succeed"

VIDYALAYA UNIFORM

SUMMER

Junior Boys

Classes I to V

Shirt : Blue, Grey, White and Red checkered * Mandarin collar Collar facing and Half sleeve edges in red and Red Placket.

Shorts : Plain grey Front with a patch and side hip pocket incorporated together Back with two velt pockets.

Junior Girls

Classes I & II

Tunic : Blue, Grey, White and Red checkered* Princess Peter pan collar, Contrasting collar and half sleeve edging.

Senior Boys (Secondary)

Classes VI to XII

Shirt : Blue, Grey, White and Red checkered* Placket shirt collar

Trousers : Plain grey pleats in front normal side pockets in front two velt pockets at the back.

Senior Girls (Middle and Secondary)

Classes III to VIII

Shirt : Blue, Grey, White and Red checkered* normal shirt collar Contrasting collar stand, over placket and half sleeve edges.

Skirt : Plain grey broad box pleated at front and back divided red stripe at the hem

Senior Girls

Classes IX to XII

Kurti : Blue, Grey, White and Red checkered* Mandarin collar with front opening above the waist sleeve edges and collar in red side slits with Waist Coat.

Bottom Wear : Trousers plain grey strait cut .

WINTER

Junior Boys

Classes I to V

Shirt (Woollen) : Blue, Grey, White and Red checkered * Mandarin collar Collar facing and Half sleeve edges in red and Red Placket.

Trousers (Woollen) : Plain grey Front with a patch and side hip pocket incorporated together Back with two velt pockets.

Jacket : Hooded full and half sleeved or/ Navy Blue V-Neck Sweater with red stripe in the neck and sleeve and waist.

"Difficult roads often lead to beautiful destinations"

Junior Girls

Classes I & II

Tunic : Blue, Grey, White and Red checkered* Princess Peter pan collar, Contrasting collar and full sleeve edging.
Shirt : Blue, Grey, White and Red checkered* Mandarin collar leggings grey.
Cardigan : Navy blue full sleeved/half sleeved with red lining.
Stockings : Blue stockings with red stripes.

Classes VI to XII

Shirt (Woollen) : Blue, Grey, White and Red checkered* Normal shirt collar.
Trousers : (Woollen) : Plain grey pleats in front normal side pockets in front two velt pockets at the back.
Jackets : Hooded full and half sleeved or / Navy blue V-neck sweater with red stripe in the neck and sleeve and waist.

Senior Girls (Middle & Secondary)

Classes III to VIII

Shirt : Blue, Grey, White and Red checkered* normal shirt collar Contrasting collar stand, over placket and sleeve edges.
Skirt : Plain Grey (Grey) leggings.
Jackets : Hooded full and half sleeved.

OR

Cardigan : Navy blue full sleeved/half sleeved with red stripes.

Senior Girls

Classes IX to XII

Kurti (Woollen) : Blue, Grey, White and Red checkered* Mandarin collar with front opening above the waist full sleeve edges and collar in red side slits with waist coat.
Bottom Wear : Trousers plain grey strait cut.
Cardigan : Navy blue full sleeved/half sleeved with red stripes.

All Classes For Physical Education

House wise T Shirts with white collars with the colour options of blue, green, red and sun yellow and Navy Blue Track pants with white lining for both boys and girls.
Shoes : Common shoes for all days for both boys and girls. No canvas shoes, Grey socks with red lining for summer. Navy blue socks with red lining for winter.
Tie : Navy blue with Woven monogram.
Belt : Blue and Grey knitted fabric belt with monogram on the buckle.
Head Gear For The Sikh Boys : Trouser matching Turban with red colour fifty.
Scarf For Muslim Girls : Grey colour scarf matching with the bottom wear with red hem on the corners.
Hair Accessories for Girls : Red ribbon or hair bands can be used if required.

GENERAL INFORMATION

The Vidayalaya is run by Kendriya Vidyalaya Sangathan under the Ministry of Human Resource Development, Department of Education with an endeavour to facilitate children of Central Government Employees, Defence Personnel and employees of autonomous bodies who are liable to be transferred from one state to another state to receive uninterrupted educational facilities with easy accessibility to any Kendriya Vidyalaya in any part of the country.

The school embodies some of the good features of Public School with emphasis on Indian culture and values without raising the cost of education.

MEDIUM

The medium of instructions is bilingual. Mathematics and Science subjects are taught through English language and Social Studies through Hindi as well as English Language.

AFFILIATION

The Vidyalaya is affiliated to the Centeral Board of Secondary Education, Preet Vihar, New Delhi and prepares students for the All India Secondary School (Class X) Examination and All India Senior Secodary Certificate (Class XII) Examination of the Board.

ACADEMIC YEAR

The Academic year is from lst April to 31st March.

ELIGIBILITY FOR ADMISSION

(a) A child must be at least 5 years old on 31st March in the academic year in which admission is being sought for admission in Class I, Class II, Class III and Class IV. For subsequent Classes, the eligible age would be reckoned again with reference to 30th September with a proportionate increase over 5 years.

(b) An upper age limit for admission is fixed as the minimum age limit plus 2 years.

METHOD OF ADMISSION

For classes I to VIII — No admission test would be conducted for admission to classes I to VIII. All applications received would be divided into five categories in order of priority to the extent vacancies available. For admission to Class IX except X, XI and XII an admission test would be conducted and a merit list is prepared for each category on priority basis separately.

"Poets are the unacknowledged legislators of the world"

SPECIAL PROVISION FOR ADMISSION FOR SINGLE GIRL CHILD

ADMISSION CLASS - I

After admitting the candidates up to full intake capacity as per norms, if there are single female children left among the unsuccessful applicants up to two single female children may be admitted in each section of Class - I over and above the class strength for admission under special provisions. For selection on this basis, inter se priority among such single female children shall be as per the categorization given in the Admission Guidelines.

ADMISSION IN CLASSES - VI ONWARDS

Single female children of employees coming under categories I - V may be admitted up to a maximum of two girls per class over and above the class strength for admissions under special provisions. In the event of there being more than two such applicants for a class, selection will be based on inter se priority for different categories as given in the Admission Guidelines.

EXAMINATION FOR CLASSES I & II

1. There is no formal examination for Classes I and II. The teacher will evaluate the students through continuous and comprehensive evaluation (CCE). The testing can be done simultaneously while teaching or separately. Most of the time the student will not be aware that they are being tested.
2. There will be minimum 8 cycles of CCE.
3. One cycle of CCE means that all the students of the class are tested in all the competencies.
4. They should obtain at least 'C' grade. If a child gets 'D' grade in some competencies, the teacher should repeat the cycle.
5. It is therefore recommended that tentatively 10 cycles of CCE should be planned in advance, so as to ensure that at least 8 cycles are completed by all the students securing at least Grade C in all the competencies by March.

"Heard melodies are sweet but those unheard are sweeter"